बच्चों नें अनुभव सुनाया? अबबच्चे क्या सुनावेंगें। वो कहेंगें हम बाबा सें वर्सा ले रहे है। हम बच्चे है बाप के। लौकिक बाप से तो हैही। अब बेहद के बाप सें मिले है। बाप है स्वर्ग की स्थापना करने वाला। तो बाप सें हम स्वर्ग की राजाई का ही वर्सा लेंगें। श्रीमत पर चलेंगें। बाप राय देते है मुझे याद करनें सें तुम स्वर्ग के मालिक बन सकते हो। तमोप्रधान सें सतोप्रधान बन जावेंगें। बच्चे समझते है हम बेहद के बाप दादा के सम्मुख बैठे है। कोवर 5000 वर्ष पहले भी शिव बाबा भारत में ही आया था। तो हम भारतवासियों को स्वर्ग का वर्सा दिया था अब फिर देते है। अब बाप की याद की भटी में पड़ों तो किचरा निकल जावेगा और सच्चा सोना बन जावेगें। बच्चे कहते है बाबा हम आपके बच्चे बने है सो जरूर स्वर्ग का वर्सा लेंगें। अथवा अमरलोक का वर्सा लेंगें। आप अमर लोक का वर्सा देते हो माया रावण मृत्यु लोक का वर्सा देते है। तो खुशी रहनी चाहिये। देह सहित देह के सब सम्बनधियों को देखते हुये साथ में रहते हुये बाप को याद करना है। इसको कहा जाता है बेहद की पुरानी दुनिया का सन्यास। इस पुरानी दुनिया में पाप बहुत होते है। भारत सच्च खण्ड था। अब तुम सच्च खण्ड का मालिक बनते हो। बाप बच्चों को कहतेहै अनुभव सुनाओं। कहतेहै आप बाप मिलें हो वर्सा तो मिलना ही है। आप जैसी राय देंगें उस पर हम चलेंगें। इन गुरुलोग सें तो कोई रस्ता मिलता नही। टीचर फिर भी पढ़ाते है तो कमाई होती है। गुरुओं पास जानें सें कमाई ही क्या? गुरु क्या कमाई कराते है। कुछ भी नही। बाप समझाते है। यह भक्ति मार्ग के गुरु है। भक्ति मार्ग दुबण मार्ग है। उससे निकलते ही नही है। वो दुबण देखनें में बड़ा शोभनीक आता है। इतने दुबण में फंस गये है जो चोटी तक। निकालनें में चोटी ही निकलती है। तुम कहते थे कि आप आवेंगें तो परी जावेंगे। अब आया हूं। तुम आधा कल्प आशिक बने हो। दुःख में माशूक को बहुत याद करते आये हो। आओं माशूक हम पतिताओं को आकर पावन कराओं। अब माशूक कहते है मैं सबको पावन बना कर साथ में ले जाऊगा। यह सारी दुनिया महिफल है। इस महिफल के बाप बीच में आये है। सभी मनुष्य जो पतित हो गये है उनको पावन बना कर साथ में ले जाने लिये आये है। बाप जब तक यहां है आत्मायें आती रहेंगी। संख्या कम कैसे हो सकती है। जब सब आ जावेंगें तब लड़ाई भी पूरी हो जावेगी। फिर मच्छरों की तरह भागेंगें। शान्ति भी मांगते है। पीस पराइज् देते रहते है। पीस करते कहां है। पीस पराइज् सच्चमुच किसको मिलना है? तुम बच्चों को। क्यों कि तुम बाप की मत पर सारे विश्व पर राज्य स्थापन कर रहे हो। यह तो विश्व का मालिक बनने की पराइज् मिलती है। अच्छा गुड् नाईट

24-1-67:- प्रात क्लास की मुर्ली की बाकी पुआईन्टस:- जितना हो सकें बाप को याद करना है। जैसे आफिस सें छुटी लेते है वैसे ही धन्धे सें एक दो दिन की छुटी पाकर बाप की याद में बैठ जाना चाहिये। घड़ी-2 बाप की याद में बैठो। अच्छा सारा दिन बैठ रख लेता हूं बाप को ही याद करने का। कितना फायदा हो जावेगा। विकर्म तो विनाश होंगें। बाप की याद सें ही सतोप्रधान बनना है। सारा दिन पूरा योग तो कोई कर नही सकता। माया विघन जरूर डालती है। फिर भी पुरुषार्थ करते-2 विजय पा लेंगें। पाने विजय कराने के लिये ही तो आया है। बस आज तो मैं सारा दिन बाग में बैठ कर अपने बाप को याद करता हूं। खाने पर भी बस याद में बैठ जाता हूं! भल खाना ठण्डा हो जावे। यह है युध। हमको पावन जरूर बनना है। औरों को भी रस्ता बताना है। मेड़िलस तो बहुत अच्छी चीज है। रात्रें में आपस में ही बात करते रहेंगें तो बच्चे बहुत आकर सुनेंगें। बाप कहते है मुझे याद करो। बस। बस मैसज् मिल गया हम देपानसीकुटी सें छूटे। समय तो अभी पड़ा है। मेड़िलय हिन्दी और अंग्रेजी में तो है ही। अंग्रेजी तो सबको पढ़नी ही है। इन बिना काम चल नां सकें। कंगा ही अंग्रेजी वालों सें लेते है। परन्तु अंहकार कितना है। वो भी बन्दर है यह भी बन्दर है। एक दो को घूस-घूस करते रहते है। यह है ही बन्दरों की दुनियां। सूरत मनुष्यों की सीरत बन्दरों जैसी है। कितना आपस में लड़ते झगड़ते रहते है। छी-2। अच्छा बच्चों को गुड नाईट